मेट्रो-3 कॉरिडोर के अधिकांश स्टेशनों की खुदाई पूरी

दबंग रिपोर्टर » मुंबई

महाराष्ट्र की पहली भूमिगत मेट्रो का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। हाल ही में मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) की ओर से बताया गया कि मेट्रो-3 कॉरिडोर के 26 स्टेशनों में से 13 स्टेशनों की खुदाई का काम पूरा कर लिया है। कॉर्पोरेशन ने आगामी चार महीने में बचे हुए 13 स्टेशनों की खुदाई का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गुरुवार को मीडियाकर्मियों को कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो कॉरिडोर- 3 के कफ परेड और मीठी नदी के नीचे के सुरंग निर्माण कार्य का अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया गया। जिसमें इस तथ्य की पुष्टि हुई कि मेट्रो कॉरिडोर- 3 का काम तेज गति से चल रहा है।

33 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग

कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच 33.5 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग तैयार किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित कुल लागत 23 हजार 136 करोड़ रुपए है। अप और डाउन दिशा मिलाकर कुल 55 किलोमीटर में से करीब 40 किलोमीटर तक भूमिगत मार्ग तैयार किया जा चुका है। कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक, सीएसएमटी, साइंस म्यूजियम, सिद्धिविनायक, एमआईडीसी, मरोल नाका, सहार रोड, छत्रपति मेट्रो टर्मिनल, राष्ट्रीय एयरपोर्ट और सीप्ज मेट्रो स्टेशन की खुदाई का काम पूरा किया गया है।

जनवरी 2020 तक सभी स्टेशनों की प्रगति

कफ परेड-52.15%, विधान भवन-65.90%, चर्चगेट-47%, हुतात्मा चौक-44.25%, सीएसएमटी-59.65%, कालबादेवी-4.25%, गिरगांव-4.50%, ग्रांट रोड-15.50%, मुंबई सेंट्रल-31.15%, महालक्ष्मी-19.50%, साइंस म्यूजियम-48.25%, एए चौक-9.50%, वरली-32.55%, सिद्धिविनायक-67.90%, दादर-30.80%, शीतलादेवी-21.85%, धारावी-35.30%, बीकेसी-40.95%, विद्यानगरी-50.30%, सांताक्रूज-55.80%, सीएसआईए (डी)-55.80%, सहार रोड-53.05%, सीएसआईए (आई)-49.20%, मरोल नाका-66.80%, एमआईडीसी-71.40%, सीप्ज-58%

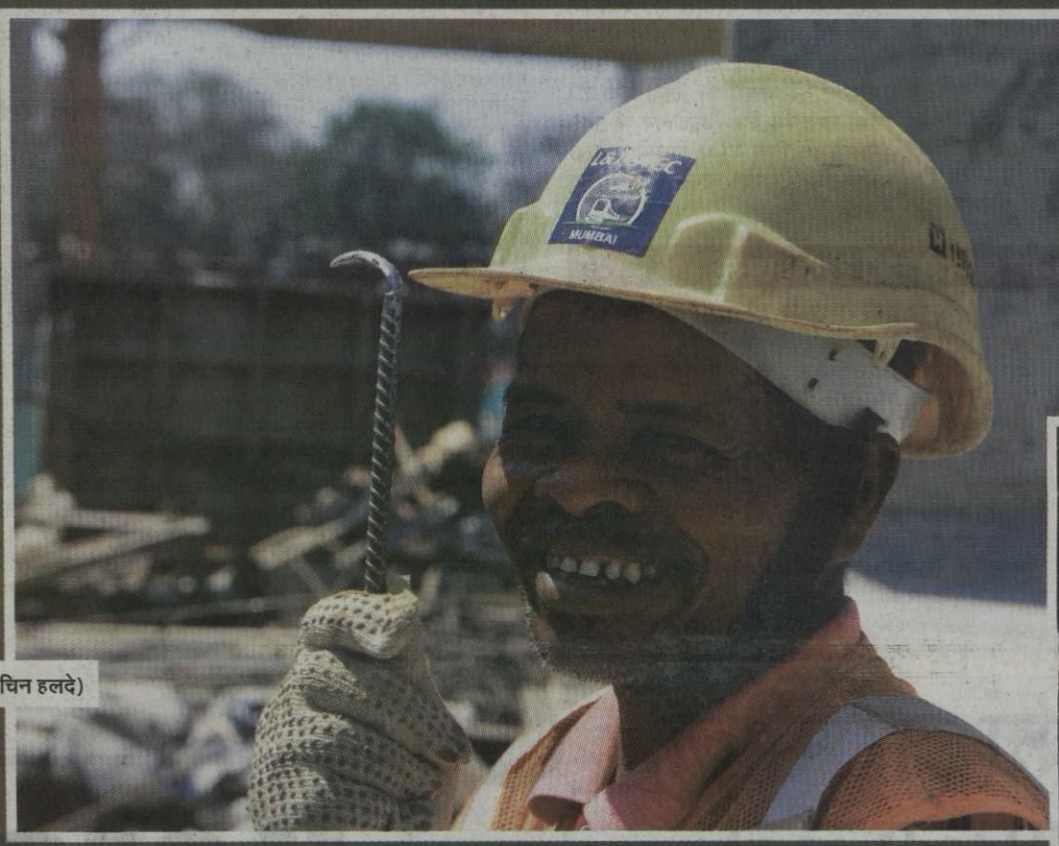

(दबंग फोटोः सचिन हलदे)

मेट्रो-रिपोर्ट

पानी के नीचे सुरंग

मेट्रो-3 कॉरिडोर के तहत मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMRCL) मीठी नदी के नीचे तीन टनल का निर्माण कर रहा है। जमीन के भीतर 38.28 किलोमीटर तक टनल तैयार करने के साथ ही मीठी नदी के नीचे 915 मीटर लंबी टनल तैयार हो गई है। इसमें 1.5 किलोमीटर की दो टनल और 154 मीटर की एक टनल शामिल हैं। इनमें से एक टनल 660 मीटर, दूसरी टनल 240 मीटर तक और तीसरी टनल का काम करीब 15 मीटर तक पूरा हो गया है। मेट्रो-3 के दो स्टेशनों धारावी और बीकेसी के बीच मीठी नदी का 1.4 किलोमीटर हिस्सा पड़ता है। इन दोनों स्टेशनों को जोड़ने के लिए मीठी नदी के नीचे टनल तैयार की जा रही है। एमएमआरसीएल के परियोजना निदेशक एस. के. गुप्ता के अनुसार, जनवरी तक एक टनल का काम पूरा हो जाएगा। वहीं दूसरी टनल मार्च के अंत तक तैयार हो जाएगी। बीकेसी और धारावी के बीच मेट्रो पानी से करीब 25 मीटर नीचे चलेगी।

मुस्कुराइए... आप मेट्रो टनल में हैं!

स्टेशनों पर मिलेंगी ये सुविधाएं

सलून, स्पा, फूड स्टॉल, एटीएम, सुपर मार्केट, फूड कोर्ट, बैंक और फार्मेसी

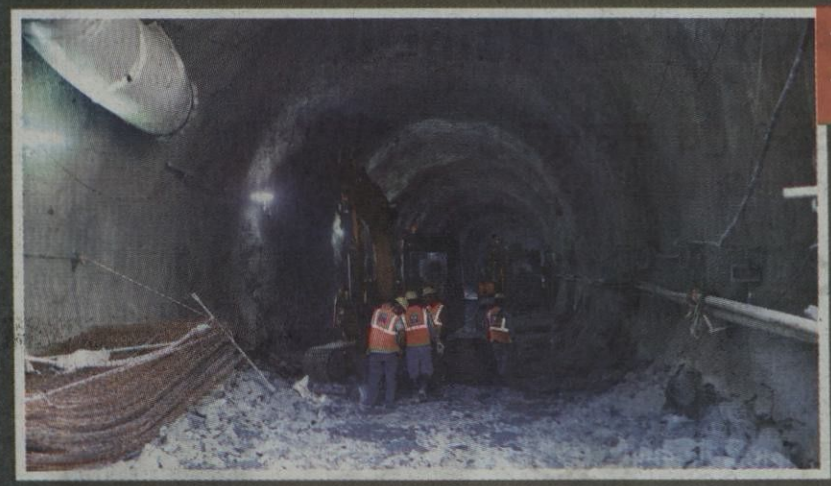

मेट्रो-3 कफ परेड स्टेशन

» कफ परेड में टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) से सुरंग निर्माण किया जा रहा है। इस स्टेशन में दो स्टेबलिंग लाइन के साथ 200 मीटर लंबी दो सुरंग (अप लाइन और डाउन लाइन) होगी। स्टेबलिंग लाइन का निर्माण एनएटीएम पद्धति का इस्तेमाल करके किया जाएगा। दोनों स्टेबलिंग लाइन के लिए खुदाई का काम पूरा हो चुका है। दूसरी लाइन का कार्य प्रगति पर है।

22 मीटर की गहराई पर स्टेशन

कफ परेड स्टेशान जमीन से 22 मीटर की गहराई पर स्थित होगा। इसकी लंबाई लगभग 400 मीटर है। इस स्टेशन केबेस स्लैब का काम पूरा हो चुका है। कफ परेड सहित विधान भवन, चर्चगेट, हुतात्मा चौक जैसें स्टेशनों के भूमिगतिकरण का काम लगभग 62% पूरा हो चुका है।

बीकेसी स्टेशन

» मेट्रो-3 लाइन पर यह सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन होगा। बीकेसी में टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) और एनएटीएम पद्धति का इस्तेमाल करके सुरंग तैयार की जा रही है। मीठी नदी के नीचे 'अर्थ प्रेशर बैलेंस' तकनीक का इस्तेमाल कर सुरंग तैयार की जा रही है। बीकेसी स्टेशन 18 मीटर गहरा और 474 मीटर लंबा होगा। इस स्टेशन मे दो स्टेबलिंग लाइन होंगी,जिनमें से एक बीकेसी स्टेशन के उत्तर की ओर और दूसरी मीठी नदी के नीचे होगी।